कार्यवाही

"यूपीसीएआर प्रतिनिधिमंडल द्वारा रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (RLBCAU) का भ्रमण"

भ्रमण की तिथि: 15 से 16 अक्टूबर, 2025

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार), लखनऊ, उत्तर प्रदेश

प्रसंग एवं प्रतिनिधिमंडल:

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार), लखनऊ का एक प्रतिनिधिमंडल 15 से 16 अक्टूबर, 2025 तक झांसी का दौरा किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपकार प्रायोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में भाग लिया तथा राज्य में भविष्य के सहयोगात्मक कृषि उपक्रमों पर चर्चा की। यह कार्यक्रम रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग में आयोजित किया गया।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्य (उपकार):

- डॉ. संजय सिंह, महानिदेशक
- डॉ. राजर्षि गौर, उप महानिदेशक
- डॉ. रिन्नी सिंह, वैज्ञानिक अधिकारी

समापन समारोह: उपकार प्रायोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

उपकार प्रतिनिधिमंडल ने दस-दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम "फसल पौधों में जलवायु सहनशीलता लाने के लिए आणविक दृष्टिकोण" के समापन समारोह में भाग लिया, जिसे रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 6 अक्टूबर से 15 अक्टूबर, 2025 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

समारोह की मुख्य झलकियाँ:

- इस कार्यक्रम ने विभिन्न राज्य कृषि संस्थानों के वैज्ञानिकों, सहायक प्राध्यापकों और संकाय सदस्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण की सफल पूर्णता को चिह्नित किया।
- कुल 28 प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम से लाभ प्राप्त हुआ।
- ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का उद्देश्य आणविक प्रजनन के मूलभूत सिद्धांतों पर क्षमता निर्माण करना, जलवायु-सहिष्णु फसल किस्मों के विकास हेतु तर्कसंगत रणनीतियों के प्रभावी उपयोग की जानकारी देना और अभिनव फसल प्रजनन तकनीकों को लागू करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था, ताकि जलवायु परिवर्तन के तहत आनुवंशिक लाभ को तेज़ किया जा सके।
- जलवायु परिवर्तन के चलते खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जलवायु-स्मार्ट किस्मों का विकास निरंतर आवश्यक है। इसलिए प्रजनन चक्र को तेज़ करना और आनुवंशिक तकनीकों में सुधार करना आवश्यक हो गया है। आणविक और फिजियोलॉजिकल उपकरणों को संयोजित करते हुए

अत्याधुनिक तकनीकों का एकीकरण अनिवार्य है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शोधकर्ताओं को अत्याधुनिक तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें जलवायु-स्मार्ट किस्मों के विकास में इनका समावेश करने हेतु तैयार करना है।

- उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने ऐसे उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रमों से प्राप्त अनुसंधान परिणामों को प्रत्यक्ष रूप से राज्य के कृषि समुदाय के लाभ के लिए लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।
- उप महानिदेशक डॉ. राजर्षि गौर ने ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान का प्रसार करने और नए प्रशिक्षण व प्रथाओं को व्यक्तिगत अनुसंधान में समाहित कर प्रभावशाली विकास लाने की आवश्यकता व्यक्त की।
- **वैज्ञानिक विचार-विमर्श:** ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के अंतिम तकनीकी सत्र में यूपीसीएआर की वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. रिन्नी सिंह (पादप प्रजनन/जैव प्रौद्योगिकी) ने "ओमिक्स तकनीकों के माध्यम से फसलों के पोषण मूल्य (न्यूट्रास्यूटिकल) के लिए आनुवंशिक संवर्धन" विषय पर प्रमुख प्रस्तुति दी। इस व्याख्यान ने उन्नत 'ओमिक्स' उपकरणों (जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स, प्रोटियोमिक्स, मेटाबोलोमिक्स) के उपयोग के माध्यम से न केवल उपज और सहनशीलता बढ़ाने, बल्कि फसलों को जैव-संपोषित करने, जिससे उपभोक्ताओं के लिए उच्च पोषण और स्वास्थ्य लाभ (न्यूट्रास्यूटिकल मूल्य) सुनिश्चित किए जा सकें, पर गहन जानकारी प्रदान की। इस व्याख्यान ने प्रतिभागी विद्वानों के बीच महत्वपूर्ण चर्चा को जन्म दिया।

भ्रमण की झलकियाँ:

(Sanjay Singh)
Director General
U.P. Council of Agricultural Research
Lucknow

उपकार- आर.एल.बी.सी.ए.यू.